

स्वातंत्र्य युद्ध पुं. (तत्.) वह युद्ध जो विदेशी शासकों की दासता से अपने देश को मुक्त कराने के लिए स्वाभिमान के साथ किया जाए।

स्वातंत्र्य संग्राम पुं. (तत्.) स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए किया गया युद्ध।

स्वात स्त्री. (तत्.) अफगानिस्तान की एक नदी।

स्वाति/स्वाती स्त्री. (तत्.) आकाशीय नक्षत्र मंडल में सत्ताइस नक्षत्रों में से पंद्रहवाँ नक्षत्र जो ज्योतिष के अनुसार शुभ माना गया है।

स्वातिकारी स्त्री. (तत्.) पारस्कर गृह्य सूत्र के अनुसार कृषि की देवी।

स्वाति जल/स्वाती जल पुं. (तत्.) आकाश में चंद्रमा के स्वाति नक्षत्र में स्थित होने पर हुई वर्षा का जल उदा. कदली सीप भुजंग मुख, स्वाति एक गुण तीन। जो जैसी संगति करे, तैसी ही फल दीन। रहीम। कविकृत यह प्रसिद्धि है कि स्वाति नक्षत्र में हुई वर्षा का जल ही चातक (पपीहा) पीता है, उस जल के सीप में पड़ने से मोती बनता है, साँप के मुँह में पड़ने से विष बनता है और बाँस में पड़ने से वंशलोचन बनता है।

स्वातिजलद/स्वाती जलद पुं. (तत्.) वर्षा ऋतु में स्वाति नक्षत्र में जल बरसाने वाला बादल।

स्वातिपंथ पुं. (तत्.) आकाश गंगा।

स्वाति बिंदु पुं. (तत्.) स्वाति नक्षत्र में बरसने वाली जल की बूँद।

स्वाति योग पुं. (तत्.) फलित ज्योतिष के अनुसार आषाढ़ के शुक्ल पक्ष में स्वाति नक्षत्र का चंद्रमा के साथ होने वाला योग।

स्वाति सुत पुं. (तत्.) मोती, मुक्ता।

स्वाति सुवन पुं. (तत्.) दे. स्वाति सुत।

स्वाती स्त्री. (तत्.) दे. स्वाति।

स्वाद पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु को खाने-पीने या चखने के बाद जीभ को मिलने वाले रस को अनुभव करना, जायका प्रयो. रसगुल्ले का स्वाद मीठा और करेले का स्वाद कड़वा होता है। किसी काम/बात या पदार्थ से मिलने वाला आनंद, रसानुभूति, आनंद या मजा प्रयो. भक्तों को

कथा-रस और कीर्तन में स्वाद आता है जबकि दुर्जनों को परनिंदा में 3. कामना, इच्छा, चाहत 4. अभ्यास, आदत, चस्का प्रयो. उधार लेने का स्वाद पड़ना बहुत बुरी बात है काव्य. काव्य का आनंद, रसानुभूति, आस्वाद मुहा. स्वाद चखना-अपने किए हुए कर्म को भोगना, स्वाद चखाना (i) किसी के अनुचित काम का दंड देना (ii) किसी बात का या बीती बात का बदला लेना।

स्वादक पुं. (तत्.) खाने योग्य पदार्थ तैयार होने पर उसे चखकर उसके स्वाद की जाँच-परख करने वाला।

स्वादन पुं. (तत्.) 1. स्वाद लेना, चखना 2. किसी बात, काम या पदार्थ का रस या आनंद लेना। काव्य. कविता, नाटक आदि का रस या आनंद लेना, रसास्वादन।

स्वादनीय वि. (तत्.) 1. जिसका स्वाद लिया जाना हो अथवा आस्वाद 2. स्वादिष्ट 3. स्वाद लेने योग्य अथवा जिसका स्वाद लिया जा सकता हो।

स्वादाक्षमता स्त्री. (तत्.) स्वाद-संवेदना की अक्षमता या असमर्थता मनो. किसी वस्तु विशेष का स्वाद ले सकने की असमर्थता।

स्वादित वि. (तत्.) 1. जिसका स्वाद लिया जा चुका हो, आस्वादित 2. चखा हुआ।

स्वादित्य पुं. (तत्.) स्वाद का भाव, स्वादु।

स्वादिमा स्त्री. (तत्.) 1. सुस्वादुता 2. माधुर्य, मधुरता।

स्वादिष्ट वि. (तत्.) दे. स्वादिष्ट।

स्वादिष्ट वि. (तत्.) बहुत स्वाद वाला, जायकेदार, आस्वादित। पर्या. मजेदार, लजीज, सुस्वादु, स्वादु।

स्वादी वि. (तत्.) 1. स्वाद लेने वाला, चखने वाला काव्य. रस लेने वाला या रसिक।

स्वादु वि. (तत्.) 1. स्वाद युक्त, स्वादिष्ट, जायकेदार 2. मधुर, मीठा 3. सुंदर, आकर्षक, मनोहर 4. प्रिय पुं. 1. मधुर या स्वादिष्ट वस्तु 2. मधुर रस।